पत्नी के नहीं आने पर इंजीनियर ने किया सुसाइड

पिता का आरोप- बहू प्रताड़ित करती थी, कुछ दिनों से तलाक लेने की बात कर रहा था बेटा

डिंडौरी, देशबन्धु। डिंडौरी जिले के किसलपुरी गांव में 30 वर्षीय इंजीनियर सौरभ पाठक ने बुधवार सुबह सल्फास की गोली खाकर आत्महत्या कर ली। मॉर्निंग वॉक से लौटने के बाद उसने सो रहे पिता को जगाया। उनके पैर पकड़कर अपने जहर खाने की जानकारी दी।

.मृतक के पिता सतीश पाठक ने रोते हुए बताया कि सौरभ उनका इकलौता बेटा था। उसे बड़े अरमानों से पढ़ाया-लिखाया और इंजीनियरिंग कराई। दिसंबर 2025 में शहडोल के बुढ़ार निवासी अशोक पांडेय की बेटी काजल उर्फ नैना से उसकी शादी कराई थी।

शादी के कुछ समय बाद से ही पारिवारिक तनाव - परिजन का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पारिवारिक तनाव शुरू हो गया था। 3 मई को बहू अपने भाई के साथ मायके चली गई। फिर वापस आने से इनकार कर दिया।

पिता ने बताया कि उन्होंने समधी से बात कर बहू को भेजने का निवेदन किया, लेकिन उन्होंने एक साल तक नहीं भेजने की बात कही। पत्नी के नहीं लौटने से सौरभ तनाव में था।

उसने एक बार पिता से तलाक लेने की बात भी कही थी, लेकिन पिता उसे दिलासा देते रहे।

रास्ते में एक दुकान पर रुक कर पी चाय- पड़ोसियों और परिजन के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 5 बजे सौरभ वॉक पर निकला था। रास्ते में एक दुकान पर चाय पीने के बाद वह सुबह करीब 7.30 बजे घर लौटा। घर आकर उसने सो रहे पिता के पैर छुए और कहा- पापा, मैंने सल्फास की गोली खा ली है। यह सुनते ही घर में हड़कंप मच गया और परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मोबाइल चैट और कॉल डिटेल खंगालेगी पुलिस - घटना की सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया है। पति-पत्नी के बीच हुई बातचीत, वॉट्सएप चैट और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जा रही है। परिजन और ससुराल पक्ष के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेंदूखेड़ा-खकरिया मार्ग पर जाम से परेशान आमजन

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर के प्रमुख तेंदूखेड़ा-खकरिया मार्ग पर इन दिनों जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 5 बजे तक इस मार्ग पर यातायात का भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों का आवागमन अधिक होने के कारण लोगों को घंटों जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

मार्ग पर दोपहिया वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या, दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण और सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम की समस्या अब रोजमर्रा की परेशानी बन चुकी है, लेकिन इसके समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। तेंदूखेड़ा-खकरिया मार्ग पर कृषि उपज मंडी भी स्थित है, जिसके कारण इन दिनों किसानों की आवाजाही और अधिक बढ़ गई है। खाद वितरण केंद्र पर बड़ी संख्या

प्रशासनिक उदासीनता से आमजन परेशान

में किसान पहुंच रहे हैं, जिससे वाहनों का दबाव लगातार बना हुआ है। इसी मार्ग से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का भी आवागमन रहता है, इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए स्थायी प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। नगर परिषद में प्रभारी सीएमओ नहीं होने के कारण अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने जैसी व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां होने के कारण भी इस समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा पा रहा है। वर्तमान में एसडीएम के पास जनपद पंचायत सीईओ का अतिरिक्त प्रभार भी है, जिससे प्रशासनिक कार्यों का दबाव बढ़ा हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द ही इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाए। अतिक्रमण हटाने, सड़क किनारे खड़े वाहनों पर कार्रवाई करने और व्यस्त समय में यातायात कर्मियों की तैनाती से लोगों को राहत मिल सकती है। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो आने वाले दिनों में जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है ।

सार-समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत, सगौनी गांव का मामला

हटा, देशबन्धु । बटियागढ़ ब्लाक के सगौनी गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत का मामला सामने आया है, किसान विष्णु दुबे उम्र 55 वर्ष खेत मे अचेत अवस्था मे पड़े मिले,परिजन बीती रात सिविल अस्पताल हटा लेकर पँहुचे जंहा डाक्टर ने म्रत घोषित किया परिजनों ने बताया कि सुबह खेत के लिए निकले थे घर नही लौटे तो तलाशी के दौरान खेत मे पड़े मिले, परिजनों ने सन्देह जताकर जांच की मांग की है। मंगलवार रात सिविल अस्पताल हटा में पुलिस भी अस्पताल पँहुची और परिजनों ने घटना बताई,पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव, टूटे मोबाइल से शिनाख्त अहमदाबाद से लौट रहा था घर

दमोह, देशबन्धु । दमोह-कटनी रेल मार्ग पर हिंडोरिया थाना क्षेत्र के आनू फाटक के समीप मंगलवार रात एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। मृतक की पहचान पन्ना जिले के अदरार निवासी 26 वर्षीय राहुल पिता विजय सिंह के रूप में हुई है। शव के पास मिले टूटे मोबाइल फोन से उसकी शिनाख्त की गयी । हिंडोरिया थाना में पदस्थ एएसआई रामकुमार ठाकुर ने बताया कि मंगलवार रात करैया स्टेशन मास्टर ने आनू फाटक के नजदीक एक अज्ञात शव क्षत-विक्षत हालत में पड़े होने की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव के पास ही एक टूटा हुआ मोबाइल फोन मिला, जिसकी जांच की गई।

मोबाइल में सेव नंबरों के आधार पर संपर्क करने पर मृतक की पहचान हुई। पुलिस ने शव को रात में ही जिला अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया था। बुधवार सुबह परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने बताया कि राहुल अहमदाबाद में मजदूरी करता था। मंगलवार को अपने घर अदरार लौट रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन हादसे का शिकार हो गया।

झलौन वन परिक्षेत्र में फिर सामने आया सागौन की अवैध कटाई का मामला, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

तेंदूखेड़ा/झलौन, देशबन्धु। उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाले झलौन वन परीक्षेत्र में बहुमूल्य सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र में लगातार सामने आ रहे मामलों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और वन माफियाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन माफिया लंबे समय से जंगलों में सक्रिय हैं, लेकिन उन्हें रोकने के लिए वन विभाग की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि वन माफिया रात के अंधेरे का फायदा उठाकर जंगलों में सागौन के पेड़ों की कटाई करते हैं और बड़े वाहनों के माध्यम से लकड़ी का परिवहन कर लेते हैं। कई मामलों में विभाग केवल वाहन और लकड़ी जब्त कर कार्रवाई का दावा करता है, जबकि मुख्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल हो जाते हैं। इससे वन अपराधों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

ताजा मामला मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, ससना तिगड्डा के समीप बीट क्रमांक-169, उमरिया माल क्षेत्र में करीब 8 से 10 वन माफिया सागौन के एक बड़े पेड़ की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात दैनिक वनश्रमिकों ने पेड़ कटने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वनश्रमिकों को देखकर आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल की ओर भाग निकले। बताया जाता है कि आरोपी पेड़ को काटकर

उसकी सिल्लियां भी तैयार कर चुके थे।

नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर कुछ वनश्रमिकों ने बताया कि उन्होंने घटना की जानकारी तत्काल वन परीक्षेत्र अधिकारी को दी थी, लेकिन न तो वन परीक्षेत्र अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और न ही डिप्टी रेंजर अथवा अन्य जिम्मेदार अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उनका आरोप है कि समय पर अधिकारियों के नहीं पहुंचने से वन माफियाओं को भागने का अवसर मिल गया। इसके बाद पूरी रात वनश्रमिकों को कटे हुए सागौन के पेड़ और तैयार की गई सिल्लियों की सुरक्षा करनी पड़ी।

इस घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सूचना मिलने के बाद भी अधिकारी समय पर मौके पर नहीं पहुंचे तो इससे वन माफियाओं के हौसले और बुलंद होंगे। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, वन परीक्षेत्र अधिकारी सतीश मसीह ने लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि उन्हें घटना की कोई सूचना नहीं मिली थी। उन्होंने दावा किया कि संबंधित सागौन का पेड़ पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत कटा हुआ था और उसकी निगरानी के लिए उन्होंने पहले से ही वनश्रमिकों की ड्यूटी लगा रखी थी। उनका आरोप है कि कुछ कर्मचारी उन्हें जानबूझकर फंसाने का प्रयास कर रहे हैं

वन विभाग कर रहा कार्रवाई -

इस संबंध में झलौन वन परीक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि कटे हुए सागौन को विभाग द्वारा जब्त कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से झलौन परिसर लाया गया है। नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद सागौन की सिल्लियां तेंदूखेड़ा वन डिपो भेजी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विभाग नियमों के अनुरूप आगे की कार्रवाई कर रहा है।

इस संबंध में तेंदूखेड़ा उपवन मंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने कहा कि वे स्वयं झलौन पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी लेंगे। उन्होंने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण और संबंधित अधिकारियों से चर्चा करने के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाए ।

फिलहाल, यह मामला एक बार फिर झलौन वन परीक्षेत्र में बहुमूल्य सागौन की सुरक्षा व्यवस्था और वन अपराधों पर नियंत्रण को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। अब सभी की निगाहें वन विभाग की जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

तारादेही में भाजपा की मासिक बैठक आयोजित

तारादेही, देशबन्धु । बुधवार को तारादेही ग्राम में भाजपा मंडल की मासिक बैठक संपन्न हुई इस बैठक में संगठन सर्वोपरि संगठन गढ़े चले संगठन की मजबूती आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा व समीक्षा की गई भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर सिंह लोधी ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए बैठक में जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई जिन क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियों धीमी रही वहां सुधार करने और कमियों को दूर करने पर जोर दिया गया इस बैठक में अपेक्षित क्षेणी मंडल अध्यक्ष मंडल पदाधिकारी शक्ति केंद्र प्रभारी व संयोजक मोर्चा अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे बैठक को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर सिंह लोधी ने कहा कि किसी भी चुनाव को जीतने की कुंजी मजबूत बूथ होता है। उन्होंने बैंठक में कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक बूथ पर जाकर स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करें, साथ ही पार्टी को तकनीकी और डिजिटल रूप से मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। बैठक में केंद्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की। कार्यकर्ताओं से कहा गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे।

सारसबगली में सार्वजनिक रास्ते के विवाद पर ग्रामीणों का आमरण अनशन का तीसरा दिन

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु । ब्लॉक की ग्राम पंचायत सारसबगली में सार्वजनिक रास्ते को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने सोमवार 12 बजे से आमरण अनशन शुरू कर दिया। अनशन के तीसरे दिन कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा जिससे अनशनकारी आक्रोशित हैं।

ग्रामीण भी अनशन कारियों के सहयोग के लिए 24 घंटे अनशन स्थल पर बैठे रहते हैं।

अनशन पर बैठे ग्रामीणों में कमलेश पटेल, राहुल यादव, भोला बसोर प्रमुख रूप से शामिल ने बताया कि उन्होंने जिला कलेक्टर और तहसीलदार को पहले ही अवगत करा दिया था उन्होंने

मौके पर नहीं पहुंचा कोई भी अधिकारी

कहा था की रास्ता बंद नहीं होने देंगे हम लोगों ने कहा था कि यदि एक सप्ताह के भीतर रास्ता नहीं खुला तो वे आमरण अनशन पर बैठेंगे। जब तक सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटाकर आवागमन पूरी तरह सुचारु नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। राहुल यादव का कहना है कि यह मार्ग लगभग 100 वर्षों से आम रास्ता बना हुआ है लेकिन एक व्यक्ति द्वारा जमीन खरीद लेने से उसने आम रास्ता बंद कर दिया है जिसका हम विरोध कर रहे हैं। प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई करने तथा सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह केवल एक रास्ते का नहीं, बल्कि पूरे गांव के लोगों के आवागमन और उनके अधिकारों से जुड़ा मामला है

इनका कहना हैं - इस संबंध में तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने बताया कि मैं आज पूरे दिन मीटिंगो में व्यस्त रहा, अनशनकारियों से राज्यमंत्री के अनुज सतेंद्र सिंह ने बात कर समझाया था लेकिन अनशन कारी मान नहीं रहे हैं इसके अलावा जिस रास्ते की मांग की जा रही हैं उसका नाप भी करवा लिया गया हैं वह प्राइवेट रास्ता हैं मैं आज जाकर फिर से अनशनकारियों से बात करता हूं।

कलेक्टर ने बैगा बैगिन चौराहा पहुंचकर निर्माणाधीन पानी टंकी का किया निरीक्षण

डिंडोरी, देशबन्धु । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने मंगलवार को बैगा बैगिन चौराहा पहुंचकर निर्माणाधीन पानी टंकी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बैगा बैगिन चौराहा स्थित बैगा बैगिन प्रतिमा में हुई क्षति का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रतिमा की शीघ्र मरम्मत कराने तथा चौराहे की नियमित साफ-सफाई एवं समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खाद वितरण केंद्र पर पुलिस ने संभाली जिम्मेदारी लाइन में लगे किसानों को पिलाया ठंडा पानी

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु । कृषि उपज मंडी स्थित डबल लॉक खाद्य वितरण केंद्र पर किसानों की लगातार बढ़ती भीड़ और उन्हें हो रही असुविधा को देखते हुए तेंदूखेड़ा पुलिस ने मानवीय पहल करते हुए किसानों के लिए ठंडे पेयजल की व्यवस्था कराई। बुधवार को भी खाद्य वितरण के लिए बड़ी संख्या में किसान सुबह से ही लाइन में लगे रहे। प्रशासन द्वारा खाद्य वितरण को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए तीन काउंटर संचालित किए गए, जहां किसानों को क्रमवार खाद्य उपलब्ध कराई गई। पिछले दो दिनों से खाद के लिए किसान लगातार परेशान हो रहे थे।

तीसरे दिन भी लंबी कतारें लगी रहीं। लाइन में लगे किसानों को सबसे बड़ी समस्या पानी पीने की हो रही थी। यदि कोई किसान पानी पीने के लिए लाइन से बाहर निकलता, तो दोबारा अपनी जगह पर लौटने में उसे कठिनाई का सामना करना पड़ता था। कई बार इस कारण किसानों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती थी। किसानों की इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निरीक्षक के निर्देशन में पुलिस एवं नगर सैनिकों ने डबल लॉक परिसर में ठंडे पेयजल की व्यवस्था कराई। पुलिस कर्मियों ने स्वयं डिस्पोजल ग्लास में पानी भरकर कतार में खड़े किसानों तक पहुंचाया, ताकि उन्हें लाइन छोड़कर बाहर न जाना पड़े

और खाद वितरण की प्रक्रिया भी प्रभावित न हो।इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अमले ने खाद वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था पर भी नजर बनाए रखी। किसानों ने पुलिस विभाग की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी और लंबी प्रतीक्षा के दौरान पानी की व्यवस्था से उन्हें काफी राहत मिली। पुलिस की इस पहल ने यह संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आमजन की सुविधाओं का ध्यान रखना भी पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है।

इनका कहना हैं- नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि खाद्य वितरण के लिए पिछले दो दिनों से किसान बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बुधवार को भी किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनपद स्तर से कूपन के माध्यम से खाद वितरण कराया जा रहा है।

तेंदूखेड़ा के वार्ड 13, 14 और 15 विकास से वंचित, सड़क हैं न नाली और न मुक्तिधाम, वादों के बाद भी काम शुरू नहीं होने से रहवासियों में नाराजगी

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 13, 14 और 15 आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। इन वार्डों में न पक्की सड़क है, न समुचित नालियों की व्यवस्था और न ही स्थानीय स्तर पर मुक्तिधाम उपलब्ध है। बरसात के मौसम में हालात इतने खराब हो जाते हैं कि लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होने के साथ-साथ अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया भी कठिन हो जाती है। हाल ही में वार्ड 13 में बारेलाल कोरी की मृत्यु के बाद शवयात्रा को कीचड़ और जलभराव से भरे रास्ते से गुजरना पड़ा।

परिजनों और ग्रामीणों को शव कंधे पर उठाकर लगभग दो किलोमीटर दूर वार्ड क्रमांक 9 स्थित मुक्तिधाम तक ले जाना पड़ा। रास्ते में गहरे गड्ढे, कीचड़ और जलभराव के कारण अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि किसी व्यक्ति को मृत्यु के

बाद भी सम्मानजनक विदाई न मिल पाना व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि वार्ड 13, 14 और 15 के लिए अलग मुक्तिधाम निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि लगभग 15 दिन पहले एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने क्षेत्र का निरीक्षण कर आश्वासन दिया था कि 15 दिनों के भीतर मुक्तिधाम निर्माण का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि केवल आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि निर्माण कार्य जल्द शुरू होना चाहिए। रहवासियों का आरोप है कि नगर परिषद में नियमित मुख्य नगर पालिका अधिकारी नहीं होने के कारण विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। वर्तमान में राजेंद्र सिंह लोधी नगर परिषद तेंदूखेड़ा के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी हैं।

वे दमोह नगर पालिका में भी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोहरी जिम्मेदारी के कारण तेंदूखेड़ा की समस्याओं पर पर्याप्त समय और ध्यान नहीं मिल पा रहा है, जिससे सड़क, नालियों और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और नगरीय प्रशासन विभाग से मांग की है कि वार्ड 13, 14 और 15 में शीघ्र पक्की सड़क, नालियों और मुक्तिधाम का निर्माण कराया जाए तथा लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

लोगों का कहना है कि विकास के मूलभूत अधिकार से किसी भी वार्ड को वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह अपने आश्वासनों को कब धरातल पर उतारता है।

CMYK